ont>

Title: Need to review the working of Rural Banks in the country and set up a National Rural Bank for the benefit of farmers.

श्री शिवाजी माने (हिंगोली) : उपाध्यक्ष महोदय, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना कृाि कार्यों को सम्पन्न करने हेतु किसानों को ऋण उपलब्ध करवाने एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों को ऋण देकर छोटे-मोटे उद्योग खोलने के उद्देश्य से की गयी थी जिससे लोगों को रोज़गार मिलता रहे और नौजवान शहरों की तरफ पलायन न करें। इन बैंकों में जमा राशियां भी बढ़ रही हैं परन्तु गांव के किसानों को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से लोन नहीं मिल पा रहा है और मिलता भी है तो समय पर नहीं। इसके साथ यह भी उल्लेख करना चाहूंगा कि सरकारी बैंक और भूमि विकास बैंक भी किसानों को लोन उपल्बेध करवाने में कोई भी रुचि नहीं ले रहे हैं जिसके कारण कृाि में निवेश कम होता जा रहा है और खेती-बाड़ी को एक घाटे का सौदा समझा जा रहा है। महाराट्र प्रदेश विशेाकर मेरे संसदीय क्षेत्र के हिंगोली के नांदेड़ एवं परभनी जिले में ग्रामीण कारीगरों, ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग को चलाने वाले लोगों को दिये जा रहे ऋणो में बहुत कमी हुई।

मैं सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि ग्रामीण बैंकों के कार्यों की समीक्षा करें। राट्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना की जाये । साथ ही आर. बी.आई. की नीतियो को ग्रामीण बैंकों के प्रसंग में समुचित बदलाव किया जाये।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Only the approved text will go on record.